Regarding merger of Ethanol Mill withIndian Potash Limited and Dhara Sugar Mill

श्री विजय कुमार दूबे (कुशीनगर) : धन्यवाद सभापति महोदय । नेपाल और बिहार से लगा हमारा कुशीनगर क्षेत्र है, जहां खेती-किसानी से जुड़े लगभग 95 प्रतिशत लोग निवास करते हैं । इन सभी किसानों की आय का मुख्य स्रोत गन्ने की खेती पर निर्भर है । पूर्ववर्ती सरकारों के समय में गन्ना किसानों के सामने तो बहुत दुश्वारियां थीं । वे एक साल गन्ना लगाते थे और तीन साल में भुगतान पाते थे । हमारे यशस्वी माननीय मुख्यमंत्री जी के प्रयासों से गन्ना किसानों की ये दुश्वारियां पूर्णत: समाप्त हो चुकी हैं । पेराई सत्र में ही उनको उनका भुगतान मिल जाता है । चूंकि हमारे लोक सभा क्षेत्र में गन्ने की पैदावार बहुत ज्यादा होती है और ये अपने गन्ने की पेराई के लिए गोरखपुर के पिपराइच मिल, महाराजगंज के गड़ौरा मिल या बिहार में ले जाने को बाध्य होते हैं । मेरा आपके माध्यम से माननीय कृषि मंत्री जी से आग्रह और सुझाव है कि हमारे यहां इंडियन पोटाश लिमिटेड बड़ी कंसर्न है। दूसरा, ढाढ़ा शुगर मिल, जो बिरला ग्रुप की बड़ी कंसर्न है । इन दोनों मिलों पर उन्होंने बहुत तैयारी की है । अगर माननीय कृषि मंत्री जी का प्रोत्साहन मिले तो इसको एथनॉल मिल से जोड़ दिया जाए ।

महोदय, आपके माध्यम से माननीय कृषि मंत्री जी से आग्रह है कि हमारे यहां लक्ष्मीगंज और कटकुइयां के बंद पड़े चीनी मिल के स्थल पर अगर पुराने कल-पूर्जों वाली शुगर फैक्ट्री की मशीनरी को नया कर दिया जाए तो गन्ना किसानों के लिए बहुत सहायक होगा । धन्यवाद ।